गुना जिला

नवभारत
भोपाल, रविवार 22 मार्च, 2026

एक नजर में

गुना के अमन जैन का ओटीटी पर जलवा

गुना। गुना जिले के युवाओं ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर की मोहताज नहीं होती। जिले के उभरते कलाकार अमन जैन ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर मनोरंजन जगत में एक नई पहचान बनाई है। हाल ही में लोकप्रिय ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई वेब सीरीज हैलो बच्चों में अमन जैन ने न केवल अभिनय किया है, बल्कि डायरेक्टर असिस्टेंट के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई है। यह वेब सीरीज प्रसिद्ध शिक्षक अलख पांडे की जीवन यात्रा और उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में लाए गए क्रांतिकारी बदलावों पर आधारित है। अमन जैन का इस प्रेरणादायक प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना पूरे गुना जिले के लिए गर्व का विषय है। अमन जैन के लिए यह सफलता कोई इत्तफाक नहीं है।

दो दिनों से लुढ़क रहा पारा, ठंडक घुली

गुना। मार्च के महीने में जहाँ गर्मी अपने तेवर दिखाने लगती है, वहीं गुना जिले में मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। पिछले दो दिनों से लगातार गिर रहे तापमान के कारण जिलेवासियों को एक बार फिर हल्की सर्दी का अहसास होने लगा है। शुक्रवार से ही दिन का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है, जिससे दोपहर की तपिश में कमी आई है। मौसम में सबसे बड़ा बदलाव शनिवार की रात को देखने को मिला, जब न्यूनतम तापमान में सीधे 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को जहाँ रात का तापमान 19 डिग्री सेल्सियस था, वहीं शनिवार को यह गिरकर 15 डिग्री सेल्सियस पर पहुँच गया। दोपहर के समय चलने वाली ठंडी हवाओं और रात के गिरते पारे ने लोगों को एक बार फिर पंखे बंद करने पर मजबूर कर दिया है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि ऊपरी हवाओं के चक्रवात और स्थानीय बदलावों के कारण तापमान में यह उतार-चढ़ाव आ रहा है।

नियम तोड़ते गुना में निजी वाहन बने 'अवैध टैक्सी'

टूरिस्ट परमिट पर धड़ल्ले से चल रही हैं वीडियोकोच बसें, विभाग की नाक के नीचे हर साल करोड़ों राजस्व की चपत

नवभारत न्यूज

गुना 21 मार्च का। जिले में परिवहन नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। निजी उपयोग (प्राइवेट रजिस्ट्रेशन) के लिए खरीदे गए वाहनों का धड़ल्ले से कमर्शियल उपयोग किया जा रहा है, जिससे शासन को हर साल करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है। विडंबना यह है कि परिवहन विभाग समय-समय पर इक्का-दुक्का वाहनों पर कागजी कार्रवाई कर अपनी पीठ तो थपथपा लेता है, लेकिन धरातल पर जारी इस संगठित खेल और शासन को होने वाले भारी राजस्व घाटे की उसे रत्ती भर भी परवाह नहीं है।

विभाग की यह 'इच्छाशक्ति की कमी' अवैध संचालकों के लिए ढाल बनी हुई है। वहीं वीडियोकोच बसों को भी टूरिस्ट परमिट के नाम पर नियमित सवारियों के लिए चलाया जा रहा है। शहर का जज्जी बस स्टैंड निजी वाहनों का मुख्य केंद्र बन चुका है। एक अनुमान के मुताबिक, यहाँ लगभग 500 चार पहिया वाहन अवैध टैक्सी के रूप में संचालित हो रहे हैं, जिनमें से मात्र 100 वाहनों के पास ही वैध टैक्सी परमिट है। शेष 400 वाहन निजी कोटे के हैं, जो नियमों के विरुद्ध दूसरे जिलों और राज्यों तक धड़ल्ले से सवारी ढो रहे हैं। इन निजी वाहनों के संचालक न तो कमर्शियल टैक्स भर रहे हैं और न ही फिटनेस नियमों का पालन कर रहे हैं। परिवहन विभाग की सुस्ती के चलते शासन की तिजोरी को सीधे तौर पर लाखों की चपत लग रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी केवल औपचारिकता निभाकर शांत बैठे हैं। गौरतलब है कि हाल ही में प्रदेश सरकार ने नई परिवहन नीति लागू करने का प्रयास किया था, जिसे बस मालिकों के भारी विरोध के बाद फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। बताया गया है कि अब परिवहन नीति की दोबारा समीक्षा की जाएगी। इस नीति को लेकर बस मालिकों ने सुनियोजित योजना अपनाई थी और ठीक होली के त्यौहार से पहले हड़ताल का ऐलान कर सरकार को मुश्किल में डाल दिया था।

कुल मिलाकर वाहन मालिक सरकार की नीति का तो विरोध कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर परिवहन नियमों का भी उल्लंघन किया जाता है, जिस पर विभाग का ही ध्यान नहीं है।

फाइल फोटो

सरकारी विभागों में भी निजी वाहनों की भरमार

नियमों की अनदेखी का आलम यह है कि खुद सरकारी विभागों में निजी वाहन किराए पर लगे हुए हैं। बिजली कंपनी से लेकर जिला पंचायत तक में ऐसे वाहनों की भरमार है जो टैक्सी के रूप में रजिस्टर्ड नहीं हैं। नियमानुसार कमर्शियल वाहन की नंबर प्लेट पीली होनी चाहिए, जबकि सरकारी दफ्तरों में सफेद नंबर प्लेट वाले निजी वाहन धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। विभाग प्रमुख भी इन नियमों को जानबूझकर अनदेखा कर रहे हैं, जिससे न केवल भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है बल्कि नियम पालन करने वाले वाहन मालिकों का हक भी मारा जा रहा है। आरटीओ कार्यालय की ओर से इन विभागों को नोटिस जारी करने तक की जहमत नहीं उठाई जा रही है।

क्या कहता है नियम?

परिवहन नियमों के अनुसार, यदि कोई वाहन किराए पर चलाना है तो उसका रजिस्ट्रेशन 'टैक्सी' के रूप में होना अनिवार्य है। इसके लिए निजी वाहन के टैक्स से एक प्रतिशत अधिक राशि जमा करनी होती है और वाहन पर पीली नंबर प्लेट लगाना आवश्यक है। जानकारों का कहना है कि अगर विभाग सख्ती से चेकिंग अभियान चलाए और नंबर प्लेट के आधार पर धरपकड़ करे, तो एक ही दिन में करोड़ों का राजस्व वसूला जा सकता है। लेकिन अधिकारियों की मौन सहमति के कारण यह अवैध कारोबार फल-फूल रहा है।

यात्रियों की जेब पर डाका: मनमाना किराया वसूली

वैध परमिट न होने के बावजूद इन वाहन संचालकों ने किराए में भारी बढ़ोतरी कर दी है। टैक्सी का किराया दो रुपए प्रति किलोमीटर तक बढ़ा दिया गया है। उदाहरण के तौर पर, भोपाल का जो सफर पहले 4500 रुपए में होता था, उसके लिए अब यात्रियों को 5500 रुपए तक चुकाने पड़ रहे हैं। सुरक्षा और बीमा के लिहाज से भी ये निजी वाहन यात्रियों के लिए बेहद जोखिम भरे हैं। यदि इन वाहनों के साथ कोई दुर्घटना होती है, तो निजी वाहन का कमर्शियल उपयोग होने के कारण यात्रियों को बीमा क्लेम मिलना लगभग असंभव होता है। ऐसे में यात्री न केवल आर्थिक लूट का शिकार हो रहे हैं, बल्कि उनकी सुरक्षा भी भगवान भरोसे है।

अब अतिथि शिक्षकों ने फूंका आंदोलन का बिगुल, भोपाल आंदोलन की रणनीति तैयार

नवभारत न्यूज

गुना। अतिथि शिक्षक संघ द्वारा अपनी लंबित मांगों और भविष्य को सुरक्षित करने की लड़ाई को अब आर-पार के मूड में ले जाया जा रहा है। शनिवार को स्थानीय स्वतंत्रता पार्क में एकता जिंदाबाद के नारों के साथ अतिथि शिक्षकों की एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय बैठक संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु भोपाल में प्रस्तावित आगामी बड़े आंदोलन की रूपरेखा तैयार करना और संगठन की शक्ति का प्रदर्शन करना रहा।

बैठक को संबोधित करते हुए अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील परिहार और प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद सेन ने स्पष्ट किया कि जब तक प्रदेश का हर अतिथि शिक्षक एक मंच पर नहीं आता, तब तक सरकार तक अपनी आवाज प्रभावी ढंग से पहुँचाना चुनौतीपूर्ण है। जिलाध्यक्ष सुन्दर लाल कोरी ने सभी से एकजुट होने का संकल्प दिलाया। अतिथि शिक्षक समन्वय समिति संघ एवं आजाद संघ के प्रतिनिधि केशव भार्गव ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि अधिकार माँगने से नहीं, संगठित होकर संघर्ष करने से मिलते हैं। वहीं वरिष्ठ साथी कृष्ण पाल रघुवंशी, विजय बघेल, कमलेस अहिरवार और देवेंद्र अहिरवार ने अतिथि शिक्षकों के सामने आ रही वर्तमान समस्याओं और अनिश्चित भविष्य को लेकर विस्तार से अपनी बात रखी। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी भोपाल आंदोलन में गुना जिले से रिकॉर्ड संख्या में अतिथि शिक्षक शामिल होंगे। वक्ताओं ने आह्वान किया कि यह लड़ाई केवल मांगों की नहीं, बल्कि सम्मान और स्थायित्व की है। इसलिए अतिथि शिक्षक संगठित होकर पूरी क्षमता के साथ संघर्ष और आंदोलन करें।

राशन कालाबाजारी पर प्रशासन का डंडा, आरोन में चावल जब्त

गुना। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के खाद्यान्न को खुर्द-बुर्द करने वाले माफियाओं के विरुद्ध जिला प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निदेर्शानुसार जिले में जारी विशेष अभियान के तहत शनिवार को आरोन नगर में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। प्रशासन की इस संयुक्त टीम ने दो अलग-अलग दुकानों पर छापा मारकर लगभग 13 क्विंटल पीडीएस का चावल बरामद किया है।

प्राप्त सूचना के आधार पर नायब तहसीलदार आरोन एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी की संयुक्त टीम ने नगर के व्यापारियों पवन कुमार जैन एवं श्रवण कुमार जैन की दुकानों पर औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान दुकानों से 26 कट्टों में भरा हुआ लगभग 13 क्विंटल चावल पाया गया। प्रारंभिक जांच और भौतिक सत्यापन में यह स्पष्ट हुआ कि उक्त चावल सरकारी उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से गरीबों को बांटे जाने वाला पीडीएस का चावल है, जिसे अवैध रूप से संग्रहित किया गया था। प्रशासनिक टीम ने तत्परता दिखाते हुए पूरे स्टॉक को जब्त कर लिया और सुरक्षित रखने हेतु स्टेट वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन, आरोन की सुपुर्दगी में सौंप दिया है। दोनों संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आगामी वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

इस पूरी कार्रवाई के दौरान जिला आपूर्ति अधिकारी अवधेश पांडे एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी गुना आशीष चतुर्वेदी सहित स्थानीय राजस्व अमला मौजूद रहा।

गुना और अंचल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद-उल-फितर

नवभारत न्यूज

गुना। जिले सहित पूरे अंचल में शनिवार को ईद-उल-फितर का त्यौहार पारंपरिक इबादत और भारी उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही मुस्लिम समाज के धमार्लंबियों में विशेष उल्लास देखा गया। शहर की बड़ी ईदगाह पर सुबह ईद की नमाज अदा की गई, जिसमें हजारों की संख्या में मुस्लिम भाई शामिल हुए।

नमाज के दौरान विशेष रूप से देश, शहर और जिले में अमन-चैन, सुख-शांति और आपसी भाईचारे के लिए सामूहिक दुआ की गई। नमाज संपन्न होने के बाद बड़ी ईदगाह पर एक अद्भुत नजारा देखने को मिला, जहां बड़े-बुजुर्गों के साथ-साथ बच्चों में भी भारी उत्साह नजर आया। नन्हे बच्चों ने भी एक-दूसरे को गले लगकर ईद की मुबारकबाद दी और खुशियां बांटीं। जिला मुख्यालय पर आयोजित इन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भी शिरकत कर समाज जनों को ईद की शुभकामनाएं दीं। नमाज के बाद मुबारकबाद और दावतों का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह देर शाम तक अनवरत जारी रहा। इसी क्रम में बमोरी तहसील मुख्यालय पर भी ईद का पर्व पूरे धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। यहाँ सुबह 9 बजे स्थानीय ईदगाह पर सामूहिक नमाज अदा की गई। मस्जिद के पेश इमाम मोहम्मद बिलाल ने नमाज संपन्न कराई, जिसके बाद खुतबा पढ़ा गया और मुल्क की तरक्की के लिए 'दुआ-ए-खैर' की गई। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर ईदगाहों और प्रमुख चौराहों पर पुलिस बल तैनात रहा। नमाज के बाद सभी ने एक-दूसरे के घर पहुंचकर सिंवइयों से मुंह मीठा किया और दावतों का लुत्फ उठाया। जिले के अन्य ब्लॉकों और ग्रामीण अंचलों में भी इसी तरह भाईचारे और उत्साह के साथ ईद का त्यौहार संपन्न हुआ।

अग्रवाल परिवार द्वारा भव्य गणगौर महोत्सव का आयोजन

गुना। शहर के मानस भवन में गणगौर पर्व के अवसर पर श्यामलाल बंशीलाल अग्रवाल परिवार द्वारा एक भव्य और भक्तिमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उत्सव की खास बात यह रही कि परिवार की 10 बहुओं ने एक साथ एकत्रित होकर पूर्ण विधि-विधान से गणगौर माता का पूजन किया और अखंड सौभाग्य की कामना की। गणगौर का यह पावन पर्व भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना को समर्पित है। अग्रवाल परिवार की बहुओं ने पारंपरिक गीतों और मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना की। इस दौरान महिलाओं ने अपने पतियों की लंबी आयु और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए विशेष प्रार्थना की। बता दें कि गणगौर महोत्सव का आयोजन कुल 16 दिनों तक किया जाता है, जिसमें प्रतिदिन माता की सेवा और पूजन का विधान है। उत्सव के दौरान सामाजिक समरसता और मेल-मिलाप का भी सुंदर नजारा देखने को मिला। पूजन करने वाली प्रत्येक महिला ने अपने साथ 16 अन्य महिलाओं को आमंत्रित किया था। इस प्रकार बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने एक साथ पूजन में भाग लिया, जिसके पश्चात सभी के लिए सुरुचिपूर्ण सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आस्था के साथ-साथ उत्साह का माहौल भी रहा। महिलाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिसमें गणगौर के पारंपरिक लोक गीतों पर नृत्य और भजन शामिल थे।

जिंदा युवक को मरघट भेजने के मामले पर बोले प्रभारी मंत्री: 'कल बाहर था, जानकारी लेता हूँ'

नवभारत न्यूज

गुना। जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत का एक चौंकाने वाला बयान सामने आया है। जिला अस्पताल गुना में मानवता को शर्मसार करने वाले और लापरवाही की पराकाष्ठा कहे जाने वाले 'जिंदा युवक को मृत बताकर पीएम हाउस भेजने' के गंभीर मामले से प्रभारी मंत्री पूरी तरह बेखबर नजर आए।

प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत शिवपुरी में रोटरी रीजनल द्वारा आयोजित एक स्वास्थ्य शिविर में सम्मिलित होने पहुँचे थे। जब मीडिया ने उनसे गुना जिला अस्पताल के इस कथित सनसनीखेज घटनाक्रम पर सवाल किया, तो उन्होंने अनभिज्ञता जाहिर की। मंत्री ने कहा, मैं कल बाहर था, इसलिए यह मामला अभी मेरी जानकारी में नहीं आया है। मैं इस संबंध में पूरी जानकारी लेता हूँ। उल्लेखनीय है कि गुना के शासकीय अस्पताल में एक जीवित युवक को डॉक्टरों द्वारा कथित तौर पर मृत घोषित कर दिया गया था और उसे पोस्टमार्टम के लिए मचुर्री (मुर्दाघर) भेज दिया गया था। इस लापरवाही ने पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए थे। स्वास्थ्य विभाग अब तक सीसीटीवी फुटेज नहीं दिखा पाया है। जिले का प्रभार होने के नाते उम्मीद की जा रही थी कि मंत्री जी इस पर सख्त रुख अपनाएंगे, लेकिन उनकी अनभिज्ञता ने प्रशासनिक सक्रियता पर सवालिया निशान लगा दिए हैं।

बालिकाओं को दी कैंसर और एचपीवी टीकाकरण की जानकारी

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा एकलव्य छात्रावास में एक विशेष काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रावास की बालिकाओं को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस टीकाकरण के प्रति जागरूक करना और उन्हें भविष्य में होने वाले गंभीर रोगों से सुरक्षित रखना रहा। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने बालिकाओं को बताया कि गर्भाशय ग्रीवा कैंसर (सर्वाइकल कैंसर) महिलाओं में होने वाली एक गंभीर बीमारी है, जिससे बचाव के लिए एचपीवी टीका एक अत्यंत प्रभावी कवच है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुदर्शन कुशवाह एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.आर. माथुर ने सरल भाषा में एचपीवी संक्रमण के जोखिमों और टीकाकरण के महत्व को समझाया। काउंसलिंग सत्र में स्वास्थ्य अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि एचपीवी का टीका पूरी तरह सुरक्षित है। टीकाकरण को लेकर समाज में व्याप्त विभिन्न भ्रांतियों को दूर करते हुए बालिकाओं के मन में उठने वाले सवालों के संतोषजनक जवाब दिए गए। डॉक्टरों ने जोर देकर कहा कि सही उम्र में लिया गया यह टीका भविष्य में कैंसर के खतरे को न्यूनतम कर देता है।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरी पक्षकार गृहम हाउसिंग फाइनेंस लि. गुना द्वारा, बालकृष्ण ओझा के हित में ऋण प्रदाय किये जाने हेतु दस्तावेज एकत्र किऐ जा रहे है, उक्त प्रक्रिया में भूमि प.ह.न. 26, सर्वे नं 167/1/3/3/1/1, श्रीनाथपुरम कालोनी, भूखण्ड क्र. 2 व 3 में से क्षैत्रफल 1000 वर्गफीट ग्राम शंकरपुर (पछार) रोड से हटकर अशोकनगर में स्थित हैं जो क्रेतागण 1. बालकृष्ण ओझा 2. हरिप्रकाश ओझा 3. हरिओम ओझा पुत्रगण श्री अमरसिंह ओझा ने विक्रेता श्रीमति स्वेता सलूजा पत्नि श्री कमलकिशोर सलूजा सें विक्रय पत्र क्र. MP25IGR16712025A100588082 दिनांक 09/07/2025 से क्रय किया हैं, उक्त भूमि का कुल क्षेत्रफल 0.191 हैक्ट. को विक्रेता पक्ष ने संदीप बिजोले पुत्र श्री हरनारायण बिजोले से क्रेता क्र. 1. श्रीमति स्वेता सलूजा पत्नि श्री कमलकिशोर सलूजा, एवं क्रेता क्र. 2. श्रीमति बृजलता अग्रवाल पत्नि श्री देवेन्द्र कुमार अग्रवाल दोनो ने विक्रय पत्र क्र MP471192022A1791267 दिनांक 27.07.2022 द्वारा शामलाती भूमि खरीदी थी, जिसमें में केवल श्रीमति स्वेता सलूजा ने अपने हिस्से में सें 1000 वर्गफीट का क्रेतागण 1. बालकृष्ण ओझा 2. हरिप्रकाश ओझा 3. हरिओम ओझा को विक्रय किया गया हैं एवं श्रीमति स्वेता सलूजा का मूल दस्तावेंज Endorsement करने के लिये उपलब्ध नहीं हैं।

उक्त दस्तावेज का इस्तेमाल कोई करे या खरीदे तो इसके लिए खरीददार स्वयं जिम्मेंदार होगा। यदि किसी भी व्यक्ति या श्रीमति बृजलता अग्रवाल को अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो आज से सात दिवस के भीतर दस्तावेज सहित मुझ से सम्पर्क करें। समय सीमा पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सूचना कर्ता-
शलभ पारीक, एड्वोकेट
31/248 आदर्श कॉलोनी गुना
फोन-9425746155

सनसनीखेज मामला गुजरात के वाहन में थे एक करोड़, पुलिस द्वारा 20 लाख लेकर बाद में वापस लौटाने की चर्चा

गुना में सिवनी जैसा नोटकांड! एसपी ने बनाई एसआईटी

गुना। मध्यप्रदेश के सिवनी जिले में डीएसपी के नेतृत्व में हुई पुलिसिया लूट और 'बंदरबांट' के बहुचर्चित मामले की गूँज अभी शांत भी नहीं हुई थी कि अब गुना जिले में भी वैसा ही एक सनसनीखेज मामला सामने आने की चर्चा है। हवाला की बड़ी रकम को पकड़कर सांठगांठ करने और फिर मामला ऊपर तक पहुंचने पर राशि वापस करने की खबरों ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए गुना एसपी अंकित सोनी ने तत्काल प्रभाव से एक विशेष जाँच टीम का गठन कर दिया है। चर्चा है कि पिछले दिनों गुजरात पासिंग का एक वाहन गुना जिले की सीमा से गुजर रहा था। सूत्रों के अनुसार, जिले के एक थाने की पुलिस को इस गाड़ी में बड़ी मात्रा में नगदी होने की सटीक सूचना मिली थी। बताया जा रहा है कि उक्त वाहन में करीब एक करोड़ रुपए थे। चर्चा यह भी है कि पुलिसकर्मियों ने गाड़ी को रोककर जाँच की और कथित तौर पर 20 लाख रुपए लेकर वाहन को वहां से रवाना कर दिया।

फाइल फोटो

गुजरात के आईपीएस का फोन और मची खलबली

मामले में मोड़ तब आया जब इस घटनाक्रम की जानकारी कथित तौर पर गुजरात के एक आईपीएस अधिकारी तक पहुँची। बताया जा रहा है कि बड़े अधिकारी का फोन आने के बाद जिला पुलिस प्रशासन में खलबली मच गई। दबाव बढ़ता देख, आनन-फानन में ली गई 20 लाख रुपए की राशि वापस की गई और उसके बाद ही गुजरात की गाड़ी को आगे जाने दिया गया। जानकारी के अनुसार, उक्त वाहन के नंबर के आखिरी चार अंक 9351 बताए जा रहे हैं, जो गुना और आसपास के जिलों के टोल नाकों पर लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हुआ है।

एसपी ने बिठाई जाँच एसआईटी गठित

सिवनी नोटकांड की तर्ज पर गुना में सामने आए इस मामले ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला केवल जिले तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसकी गूँज भोपाल मुख्यालय तक पहुँच गई है। गुना एसपी अंकित सोनी ने मामले को संज्ञान में लेते हुए त्वरित कार्रवाई की है। उन्होंने 5 वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में एक एसआईटी गठित करने की पुष्टि की है। यह टीम अब टोल नाकों के फुटेज, मोबाइल लोकेशन और संबंधित थाना क्षेत्र के पुलिसकर्मियों की भूमिका की बारीकी से जाँच कर रही है।

पुलिस महकमे में हड़कंप

इस कथित 'नोटकांड' की चर्चा ने ईमानदार पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच भी बेचैनी पैदा कर दी है। यदि एसआईटी की जाँच में इन आरोपों की पुष्टि होती है, तो कई रसूखदार पुलिसकर्मियों पर गाज गिरना तय माना जा रहा है। फिलहाल, पूरा महकमा एसआईटी की रिपोर्ट और एसपी के अगले कदम का इंतजार कर रहा है।

हृदय रोग से पीड़ित 40 बच्चों के ऑपरेशन कराएगी सरकार

गुना। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की एक संवेदनशील पहल के अंतर्गत, जिले के 40 बच्चों को उन्नत स्वास्थ्य उपचार के लिए एक नया अवसर मिलने जा रहा है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में, हृदय रोग से ग्रसित और संदिग्ध बच्चों को विशेषज्ञ जांच एवं उपचार हेतु शिवपुरी स्थित रोटरी हृदय जांच शिविर भेजा जा रहा है।

इन बच्चों की पहचान राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम द्वारा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में किए गए नियमित स्वास्थ्य परीक्षणों के दौरान की गई थी। परीक्षण के बाद, हृदय संबंधी समस्याओं की गंभीरता को देखते हुए विशेषज्ञों द्वारा इन्हें आगे के उपचार हेतु संदर्भित किया गया। 22 मार्च को इन बच्चों को जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र, गुना से शिवपुरी के लिए रवाना किया जाएगा। बच्चों के सुरक्षित और सुव्यवस्थित आवागमन के लिए अरविंदो मेडिकल कॉलेज, इंदौर द्वारा विशेष वाहन की व्यवस्था की गई है, ताकि बच्चों को समय पर जांच केंद्र तक पहुँचाया जा सके। मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना का मुख्य उद्देश्य हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को निःशुल्क और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल और रोगमुक्त हो सके। कार्यक्रम के बेहतर क्रियान्वयन के लिए जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक विनीता सोनी निरंतर मॉनिटरिंग कर रही हैं।